

49th Annual Convocation Ceremony

शील श्रुतम्



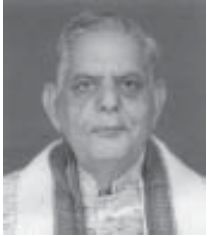
सरदार पटेल विश्वविद्यालयनुं मासिङ्क वृत्तपत्र
वर्ष : १७ अंक : ४ १५-१२-२००६ सणंग अंक : १८५

संपादको

परम पाठक + मदन मोहन शर्मा + निरंजन पटेल + सोनलदे देसाई +
उज्ज्वल त्रिवेदी + मनीष सोलंकी

कुलाधिपति

पंडित नवल किशोर शर्मा : जीवन परिचय



पंडित नवल किशोर शर्मा का जन्म राजस्थान के दौसा कस्बे में ५ जुलाई, १९२५ को हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा दौसा में, महाविद्यालयी जयपुर में और कानून की शिक्षा आगरा में हुई। आपने छात्र जीवन से ही राजनीति में सक्रिय

रुचि लेना शुरू कर दिया और शीघ्र ही स्वतंत्रता आन्दोलन से जुड़ गए। व्यवसाय से वकील पंडित शर्मा १९५१ से १९५४ तक दौसा नगर पालिका के अध्यक्ष, १९५१ से १९५९ तक जयपुर जिला बोर्ड के सदस्य तथा १९६१ से १९६५ तक दौसा पंचायत समिति के प्रधान रहे। अप्रैल १९६८ में जयपुर राज-परिवार के महाराज कुमार पृथ्वी सिंह को दौसा क्षेत्र से लोकसभा के उप चुनाव में पराजित कर पहली बार संसद में पहुँचे। १९७१ के मध्यावधि चुनाव में फिर इसी क्षेत्र से चुने गए। इस चुनाव में उन्होंने हीरालाल सोमानी, जो बाद में फिक्की के अध्यक्ष चुने गए, को हराया। इसी दौरान शर्मा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संयुक्त मंत्री, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य तथा कांग्रेस के मुख पत्र सोशलिस्ट भारत (हिन्दी) और सोशलिस्ट इंडिया (अंग्रेजी) के सम्पादक मनोनीत किए गए। आप संसद की राष्ट्रीय उपक्रम समिति तथा कंपनी कानूनों की संयुक्त प्रवर समिति

(continue...on Page 2)

PROF. D. ACHARYA BRIEF RESUME



Dr D. Acharya, FNAE, FNASc, Chairman, AICTE combines academics with administrative skills in turning around Institutions. He has also proved himself as an excellent leader and organizer in motivating the

academicians to get involved in real life industrial problem solving, sponsored research, entrepreneurship, IPR creation and technology transfer.

Academics

As an academician Prof Acharya has the distinction of supervising 30 Ph D students and publishing over 85 papers in National/International Journals. His academic contribution has been recognized by two National Academies: Indian National Academy of Engineering and The National Academy of Sciences. He is elected fellow of these two prestigious Academies.

Academic Administration

Prof Acharya has left indelible marks in the field of Academic Administration. His contribution to opening for the first time a B.Tech Programme in Industrial Engineering in IIT System, propelling Vinod Gupta School of Management, IIT, Kharagpur to 11th position in the country, reforms in JEE system of IITs bear testimony to his abilities. Within a short period of two years, as the Founding Vice-Chancellor of Biju Patnaik University of Technology, Rourkela, he has built a Technical University System with 109 affiliated and constituent colleges that may be emulated by others. Introducing flexible curricula and syllabi, keeping the National/International trend and GATS requirements in view, with such features as Credit System, Continuous Evaluation, appropriate mix of Science, Engineering, hard Professional and Soft Humanities and Management inputs are some of the novel features of BPUT. He has been successful in implementing non-negotiable academic calendar and in publishing results within a short period of three weeks, a record which few universities can

(continue...on Page 2)

के अध्यक्ष भी रहे। १९७७ के लोकसभा चुनाव में शर्मा दौसा क्षेत्र से पराजित हो गए लेकिन तीन वर्ष के अंतराल के बाद ही जनवरी १९८०में इसी क्षेत्र से पुनः निर्वाचित होकर लोकसभा में पहुंच गए। इसके बाद नेफेड के अध्यक्ष निर्वाचित हुए। नवम्बर १९८४ में राजीव गांधी मंत्रीमंडल में वित्त राज्यमंत्री तथा दिसम्बर १९८४ में लोकसभा के नए चुनाव में जयपुर क्षेत्र से निर्वाचित होने के बाद स्वतंत्र प्रभार के पेट्रोलियम राज्यमंत्री बने। १९८२ से १९८५ तक आप राजस्थान प्रदेश कांग्रेस (इ) कमेटी के अध्यक्ष तथा दो बार अलग-अलग अवधियों के लिए अखिल भारती कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व कार्यसमिति के सदस्य रहे। श्री शर्मा राजस्थान में श्रमिक संघों के राजस्थान के अग्रणी नेता रहे तथा इंटक के भी अध्यक्ष रहे। १९९४ में केन्द्रीय सरकार ने श्री शर्मा को खादी ग्रामोद्योग आयोग का अध्यक्ष मनोनीत किया, जहाँ १९९६ में आपने लोकसभा चुनाव से पूर्व त्यागपत्र दिया। पंडित नवल किशोर शर्मा को उनकी गांधीवादी विचारों और रचनात्मक कार्यों के लिए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा डी. लिट्. की मानद उपाधि देकर सम्मानित किया गया। इसी वर्ष आप अलवर क्षेत्र से फिर सांसद निर्वाचित हुए। श्री शर्मा को राजस्थान की स्वर्ण जयंती समारोह समिति का कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ अध्यक्ष बनाया गया। श्री शर्मा ने स्वर्ण जयंती समारोह के तहत राजस्थान इतिहास के स्वतंत्रता आन्दोलन तथा उसमें भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों एवं उससे संबंधित सामग्री एवं राजस्थान के गौरव के नाम से राजस्थान के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान करने वाले लोगों की जीवन पर पुस्तकों का प्रकाशन किया, जो राजस्थान की एक धरोहर बन गई हैं। आपने राजस्थान में पहली बार राजस्थान के सभी भारत व उसके बाहर रहने वाले प्रवासियों का एक सम्मेलन कर इन सभी सपूतों को राजस्थान से भावनात्मक रूप से जोड़ने का सफल प्रयास किया। इसके अलावा राज्य में अनेक राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। उसके पश्चात् खुद विधानसभा और लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। श्री शर्मा को वर्ष २००३ में फिर से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का तीसरी बार महामंत्री मनोनीत किया गया और २००४ में कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य मनोनीत किए गए। संप्रति आप गुजरात राज्य के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं।

surpass. He has also successfully introduced such novel welfare features as compulsory insurance for every student, full support for education in the event of the death of parent/guardian and Centralized Placement Facility for all graduates. All the colleges of the university are electronically connected. The University works with less than 1.0 non-teaching to teaching staff ratio. Prof Acharya has made significant contributions to number of institutions such as IIT, Kharagpur, IISc, Bangalore, IIT, Rourkela and Biju Patnaik National Steel Institute as member of their boards. His contributions to AICTE as member of Eastern Regional Committee, UG Engineering Education Review Committee, Undergraduate Board of Studies are all worth mentioning.

As Chairman of AICTE, Professor Acharya within a short period of fifteen months has introduced several positive changes that has helped in bringing in transparency, justice with equity and speedy disposal of grievances replacing mandatory inspection by mutual trust and respect based system of mandatory disclosure, empowering the stake holders specially the students in taking more informed decision on choice of Institutions, removing the hurdles of obtaining NOCs etc are important changes that have been widely appreciated. Allowing the teachers to work upto 70 years is one of few steps that has helped the students and Institution beside giving much needed respect to teachers.

Sponsored Research, IPR Protection and Entrepreneurship Development

Besides personally handling projects over Rs 15.0 Crores, he has been instrumental in developing a Sponsored Research and Industrial Consultancy System in IIT, Kharagpur as its Dean to increase the SRIC revenue from mere Rs 2.0 Crore to Rs 18.0 Crore in a period of three years. The robust system now earns revenue of Rs 90.0 Crore per year, as Executive Director of Science and Technology Entrepreneurship Park with the help of DST. Govt of India, Govt of West Bengal Financial Intuitions he could pull out a sick STEP to make it one of the best in the country. As Dean, he initiated IPR movement in IIT, Kharagpur and could get over 40 patents for its faculty including 6 International patents in three years. Seven technologies were transferred.

दीक्षा का अन्त... दीक्षा द्वारा नव प्रस्थान...

मोटे तौर पर दीक्षान्त-समारोह की पहचान एक ऐसे अवसर के रूप में स्थापित है, जो शिक्षार्थी-दीक्षार्थी के द्वारा अब तक हासिल की गई शिक्षा-दीक्षा के सम्पन्न होने से ताल्लुक रखता है। लेकिन, यदि इस 'दीक्षान्त' के अन्य पहलुओं पर गौर किया जाय तो पता चलता है कि शिक्षा-दीक्षा का यह पड़ाव है, जिसके बाद व्यावहारिक और उपयोगितामूलक दौर की नई शुरुआत होती है। दीक्षान्त समारोह संभवतः इसी नवप्रस्थान का बोध कराने वाली एक शुभ घड़ी का नाम भी है। इस नजरिए से शिक्षा-दीक्षा के दो महत्वपूर्ण पहलू सामने आते हैं। पहला पक्ष उस दौर को इंगित करता है जिसमें शिक्षार्थी-दीक्षार्थी ज्ञान अर्जित कर रहा होता है और कुछेक औपचारिकताओं का एवं अनुशासन का निर्वाह करते हुए, सफलतापूर्वक ज्ञानार्जन की चुनौतियों का सामना करने के लिए खुद को सक्षम पाता है। जाहिर है, यह पहलू शिक्षा-दीक्षा पाने भर तक सिमटा होता है। इस बीच दीक्षार्थी अनुशासन के साथ-साथ लगन व परिश्रम, एकाग्रता एवं कर्मठता आदि की परीक्षा से भी गुजरता है और अपने-आपको निरंतर गढ़ता रहता है। और अन्ततः, वह अवसर भी आ जाता है जब यह यात्रा एक निश्चित पड़ाव पर पहुँचकर कुछ विश्राम पाती है। सामान्यतः इसी पड़ाव का समय दीक्षान्त-समारोह के रूप में जाना जाता है।

दूसरी ओर, शिक्षा-दीक्षा का एक और महत्वपूर्ण दौर दीक्षित को, अर्जित ज्ञान के दायित्वों से रूबरू कराने के लिए सामने आता है। इसका ताल्लुक दायित्वबोध से है। साथ ही, व्यावहारिक स्तर पर विवेक की कसौटी भी करता है। किसी भी शिक्षा-दीक्षा के सम्पन्न होने के बाद यह दीक्षित के लिए एक नवप्रस्थान का दौर होता है, जिसमें फिर से उसे अपने कर्तव्य के साथ युग की कसौटी से गुजरना होता है और यह सिलसिला आजीवन जारी रहता है। इस बीच धीरज, ज्ञान और विवेक की व्यावहारिक परीक्षा होती रहती है। परीक्षक के रूप में समाज और युग अपनी अपेक्षाओं को चुनौतियों के रूप में दीक्षित के सामने रखता है। यहाँ अर्जित किए गए ज्ञान के सदुपयोग का उदात्त लक्ष्य दीक्षित के समक्ष होता है। क्योंकि, शिक्षा-दीक्षा की सार्थकता का सवाल भी इसी से जुड़ा होता है। दीक्षा का सर्वहितकारी होना एक ऐसा पहलू है जो उसे उच्चतम ध्येयों की दिशा

में ले जाने के लिए जरूरी है। इसके लिए व्यावहारिक स्तर पर ज्ञान के, कौशल के क्रियान्वयन की आवश्यकता भी होती है। इस तरह पढ़ने-लिखने से हासिल होने वाला व्यावहारिक ज्ञान जब कर्तव्यबोध के साथ समाज तक पहुँचता है तो शिक्षा-दीक्षा की सार्थकता खुद-ब-खुद तय होने लगती है। इस अर्थ में, दीक्षा का अन्त कभी नहीं होता। वह हमेशा ज्ञानार्जन की प्रक्रिया के रूप में अपना वजूद कायम रखती है।

स्वयं लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने शिक्षा की सार्थकता की ओर स्पष्ट संकेत करते हुए कहा है कि व्यक्ति के चरित्र (व्यक्तित्व)निर्माण में शिक्षा की भूमिका काफी अहम होती है तथा हमें शिक्षा-दीक्षा देकर नई पीढ़ी को नौकरी की तलाश करते हुए भटकने वाली आश्रित पीढ़ी के रूप में तैयार नहीं करना है। इससे यह भी साफ है कि सरदार पटेल शिक्षा की सार्थकता को स्वावलंबन की प्रवृत्ति से जोड़कर देखते हैं। स्वावलंबन या आत्मनिर्भरता एक ऐसा मूल्य है जो शिक्षा-दीक्षा को उदात्त बनाता है और यह तभी संभव है जब ज्ञान की ऊर्जा को केवल उपाधि से नहीं, बल्कि आन्तरिक चेतना के बल पर भी ग्रहण किया जाय।

पारंपरिक शास्त्र भी इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। वहाँ भी सत्य, पुरुषार्थ, आचार-विचार, स्वाभिमान जैसे मूल्यों को शिक्षा-दीक्षा के उदात्त ध्येयों से जोड़कर देखा गया है - **सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायात् मा प्रमदः।... भूत्यै न प्रमदितव्यम्।...** आदि-आदि।

शिक्षा यदि ज्ञान हासिल करने की प्रक्रिया है तो दीक्षा सुसंस्कारों को अर्जित कर सुसंस्कृत होने और उसके अनुरूप पुरुषार्थ कर अभीष्ट को प्राप्त करने की प्रक्रिया का नाम है। सुसंस्कृत होने का सिलसिला अबाधगति से जारी रहे तो फिर दीक्षा का अन्त होता ही नहीं। दीक्षा का अस्तित्व भी एक सातत्य के साथ व्यक्ति के जीवन से जुड़ा रहता है। ऐसे में दीक्षा का अन्त भी एक शुरुआत ही है। दीक्षान्त समारोह एक ऐसा पड़ाव है जहाँ से आगे जाने के लिए दीक्षित को तत्पर किया जाता है, इस अपेक्षा के साथ कि उसकी अब तक की उपलब्धियों का समाज, राष्ट्र और विश्वभर में सकारात्मक योगदान होगा, सदुपयोग होगा।

अस्तु

- मदन मोहन शर्मा

➤ સરદાર પટેલ એજ્યુકેશન ટ્રસ્ટ, આણંદ સંચાલિત એન.એચ.પટેલ કૉલેજ ઓફ એજ્યુકેશનમાં પવિત્ર રમઝાન માસ સંદર્ભે શ્રી હાફિઝ મોહમદ ઇકબાલ સાહેબનું વ્યાખ્યાન યોજાય ગયું. શ્રી હાફિઝ મોહમદ ઇકબાલ સાહેબે “પવિત્ર કુરાને શરીફના સંદર્ભે માનવતાનો વિકાસ” વિષય ઉપર પોતાના ખૂબ જ ઉમદા વિચારો રજૂ કર્યા હતા. તેમણે કુરાન વિશે માહિતી આપતાં જણાવ્યું હતું કે કુરાને શરીફમાં ૩૦ વિભાગ છે. જેમાંથી ૫૦૦ જેટલી આયાતો ભલાઈ માટે છે અને ૧૦૦ જેટલી આયાતોમાં પહેલાના સમયની વાતો અને પચંગબર વિશેની માહિતી આપેલી છે. સમગ્ર કાર્યક્રમનું સંચાલન દિવાન મોહમદ ઇલ્યાસે કર્યું હતું.

આ જ કોલેજ દ્વારા ખેડા જિલ્લાનું ૪૧મું વિજ્ઞાન-ગણિત પ્રદર્શન એચ. એન્ડ ડી. પરીખ હાઈસ્કૂલ, ખેડા મુકામે યોજાયું હતું. આ પ્રસંગે એન.એચ. પટેલ કૉલેજ ઓફ એજ્યુકેશનના પરિષ્ક પ્રા.ડૉ. શરદભાઈ કે. પટેલની વિજ્ઞાન મેળામાં છેલ્લા ૨૫ વર્ષોથી આપેલી સેવાઓને બિરદાવી હતી. એમની શૈક્ષણિક કામગીરીના સંદર્ભમાં વિજ્ઞાનમેળાના ઉદ્ઘાટક અને રાજ્યકક્ષાના મંત્રીશ્રી સુંદરસિંહ ચૌહાણના હસ્તે શાલ ઓઢાડીને સન્માન કરવામાં આવ્યું હતું. આ સમગ્ર કાર્યક્રમનું સંચાલન પ્રા.ઉષાબેન શારડાએ કર્યું હતું.

➤ ચારુતર વિદ્યામંડળ સંચાલિત સેમકોમ કૉલેજમાં ફેકલ્ટી ડેવલોપમેન્ટ શિબિરનું આયોજન કરાયું હતું. પ્રો. મેથ્યુ મનીમાલાએ અધ્યાપકો માટેનો ફેકલ્ટી ડેવલોપમેન્ટ કાર્યક્રમમાં હાજરી આપી હતી. તેમણે સંશોધન માટે વિષય પસંદગીથી લઈ થીસીસ લખવા અંગેની વિસ્તૃત વિગતોની ચર્ચા કરી હતી. સંશોધનપત્રો લખવા અને પ્રસિદ્ધ કરવા માટેના ખૂબ મહત્વના પાસાંઓની છણાવટ કરી હતી.

કાર્યક્રમના અંતે પ્રા. નિમેષ જોષીએ આભાર વ્યક્ત કર્યો હતો.

આ જ કોલેજ ખાતે સળંગ આઠમાં વર્ષે વિદ્યાર્થી-વાલી-અધ્યાપક મિટીંગ યોજાય હતી. સળંગ ત્રણ દિવસ સવારના ૯.૩૦થી ૫.૦૦ વાગ્યા સુધી ચાલેલી આ મિટીંગમાં બીબીએ, બીસીએ, બીકોમ, તથા બીબીએ આઈટીએમના ત્રણ વર્ષના વિદ્યાર્થીઓ તથા વાલીઓ સાથે આ મુલાકાતનું આયોજન થયું હતું. આ મિટીંગમાં રાજસ્થાન, દિલ્હી, મહારાષ્ટ્ર વગેરેમાંથી પણ વાલીઓ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

આ જ કોલેજ દ્વારા ૧૧ નવેમ્બર, ૨૦૦૬ના રોજ એલિકોન બેસ્ટ બિઝનેસ આઈડીયા સ્પર્ધાના સ્પર્ધકો માટે આંત્રપ્રિનિયરશીપ બેઝ કેમ્પ યોજાયો હતો. કાર્યક્રમમાં કુલ ૧૨૫ વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લીધો હતો.

આ બેઝ કેમ્પ પ્રો. ડૉ. મેથ્યુ મનીમાલા, આઈ આઈ એમ, બેંગ્લોર અને જમુના રાઘવન સેન્ટર ફોર આંત્રપ્રિનિયરશીપના ડાયરેક્ટરના માર્ગદર્શન હેઠળ યોજવામાં આવ્યો હતો. આ કાર્યશાળામાં તેમણે વિદ્યાર્થીઓ સાથે વિસ્તૃત ચર્ચા કરી હતી. આંત્રપ્રિનિયર બનવા માટે કેવા લક્ષણો હોવા જોઈએ અને સફળ ઇંધાનું સંચાલન કેવી રીતે કરવું,

સફળ ઇંધામાં ઇનોવેશન અને ક્રિએટિવિટીનું મહત્વ, ઇન્ટ્રીન્સીક મોટીવેશન વિગેરે મુદ્દાઓની ચર્ચા થઈ હતી.

➤ એમ.બી. પટેલ કૉલેજ ઓફ એજ્યુકેશનમાં ૧૬ નવેમ્બર ૨૦૦૬ના રોજ શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગના અધ્યક્ષ અને શિક્ષણશાખાના ડીન પ્રો. ડૉ. એમ. કે. યાજ્ઞિકનું ‘નારીવાદ : ચિંતન ક્ષેત્રો’ પર પ્રવચનનું આયોજન થયું હતું.

ડૉ. યાજ્ઞિકે પ્રવર્તમાન નારીવાદનો વિશ્વસંદર્ભ આપી લગભગ બાર જેટલા અલગ અલગ પાસાંઓને સ્પર્શતા નારીવાદના ચિંતનક્ષેત્રો સમજાવ્યા હતા. ભારતીય સ્મૃતિ સાહિત્યમાં નારી ચિંતન અને દેશકાળ આધારિત સ્મૃતિ સાહિત્યના લક્ષણોની ચર્ચા પ્રસ્તુત પ્રવચનમાં સામેલ કરી હતી. ભારતમાં નારીક્ષેત્રે થયેલા કાર્યોની ટૂંકમાં વિગત આપી હતી. નારીવાદના સાંસ્કૃતિક, મનોવૈજ્ઞાનિક અને સત્તા સંદર્ભે પણ વિચારો રજૂ કરવામાં આવ્યા. ઉક્ત પ્રવચનમાં નારીવાદ અર્થઘટનના આધારે અંગે પણ વિચાર વ્યક્ત થયો હતો. સાહિત્યમાં નારીવાદના ચિંતન ઉપરાંત માનવીય અભિગમને કેવી રીતે સ્વીકારે છે તે અંગેના મનનીય વિચારો ડૉ. એમ. કે. યાજ્ઞિકે દર્શાવ્યા હતા.

આ જ કોલેજ ખાતે તા. ૧૭ નવેમ્બરના રોજ લાલા લજપતરાય- ‘પંજાબ કેસરી’- બલિદાન દિવસની ઊજવણી કરવામાં આવી. કાર્યક્રમના મુખ્ય વક્તા હતા અખિલ ભારતીય સેના સંગ્રામના મંત્રીશ્રી અને ટી.વી. પટેલ સ્કૂલમાં શિક્ષક તરીકેની ફરજ બજાવતા શ્રી ધર્મેન્દ્રભાઈ પાઠક.

એક અપીલ...

શીલ શ્રુતમ્ આપણા સૌનું છે. એમાં આપણે સૌ જરૂર સહયોગ કરીએ. પોતાની સર્જનાત્મક કૃતિ, હૃદયસ્પર્શી પ્રસંગ (ટૂંકમાં), કોલેજ, અનુસ્નાતક વિભાગ, કેમ્પસમાં યોજાતા વ્યાખ્યાનો, પરિસંવાદ ઇત્યાદિ જેવી નોંધપાત્ર ઘટનાઓ, કેમ્પસ પરિવારમાં જોડાતા નવા સભ્યો, વિદાય લેતા પરિવારજનો અંગેની જાણકારી જરૂર મોકલો...

સંપર્ક સૂત્ર

પરમ પાઠક

અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ
માનવ વિદ્યાભવન
સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી
વલ્લભ વિદ્યાનગર

e-mail: sheelshrutam@spu.ernet.in

અનુસ્નાતક હિન્દી વિભાગ

અનુસ્નાતક હિન્દી વિભાગમાં અભ્યાસરત સુશ્રી ભાવના ઠક્કર (એમ.એ. ફાઇનલ) તથા શ્રી રવિકુમાર રાહોડ (એમ.એ. પ્રીવિયસ)ને તાજેતરમાં હિન્દી સાહિત્ય પરિષદ, અમદાવાદ દ્વારા યોજાયેલ રાજ્ય સ્તરની શ્રી રામગોપાલ ગિરધારીલાલ સરાફ નિબંધ સ્પર્ધામાં અનુક્રમે પ્રથમ અને તૃતીય સ્થાન મેળવવા બદલ પારિતોષિકો અપાયા હતા.

અનુસ્નાતક રસાયણશાસ્ત્ર વિભાગ

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના રસાયણશાસ્ત્ર વિભાગમાં ચાલતી કેમિકલ સોસાયટીના ઉપક્રમે તા. ૯-૯-૨૦૦૬ના રોજ ‘ખોરાકમાં ભેળસેળ’ એ વિષય પર સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના હોમ-સાયન્સ વિભાગમાં રીડર તરીકે ફરજ બજાવતા ડૉ. મંજરીબેન આચાર્યનું વક્તવ્ય યોજાયું હતું. આ વક્તવ્યનો આરંભ હોમ-સાયન્સ ડિપાર્ટમેન્ટની વિદ્યાર્થીનીઓ દ્વારા નાની નાટિકાથી થયો હતો. જેમાં ખાદ્ય પદાર્થોમાં થતી ભેળસેળ તેમજ તેના રાસાયણિક પૃથક્કરણ અંગે ઉપયોગી માહિતી સમાવી લેવામાં આવી હતી. ડૉ. મંજરીબેને ખાદ્ય પદાર્થોમાં ભેળસેળ તરીકે વપરાતા પદાર્થો, ભેળસેળના પ્રકાર, ભેળસેળનો હેતુ, ગ્રાહક જાગૃતિ, ભેળસેળ માટે વપરાતા પદાર્થોથી થતું આરોગ્યને નુકશાન, સમાજને નુકશાન પહોંચાડતા ભેળસેળિયા વેપારીઓ સામેની કાનૂની જોગવાઈ, ગ્રાહક સુરક્ષા કેન્દ્રના સંપર્કો, બીજા બિનસરકારી સંગઠનોનો પરિચય અને તેના સંપર્કો વિગેરે વિષે ખૂબ જ ઉપયોગી માહિતી આપી હતી.

આ પ્રસંગે એક પ્રદર્શનનું પણ આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. જેમાં ગ્રાહક સુરક્ષા કેન્દ્રોની વિગતોની સાથે ખોરાકમાં થતી ભેળસેળ અંગે સચિત્ર માહિતી રજૂ કરવામાં આવી હતી.

આ જ વિભાગના ઓડીટોરીયમમાં “તણાવ વ્યવસ્થાપન” એ વિષય પર સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગમાં રીડર તરીકે ફરજ બજાવતા ડૉ. પલ્લવીબેન પી. પટેલનું વક્તવ્ય યોજાયું હતું. એમણે તણાવની વ્યાખ્યાથી શરૂ કરીને, તેનો ઉદ્ભવ, તણાવનું વર્ગીકરણ, તેના પર અસર કરતા પરિબળો, તણાવની માનવજીવન પર અસરો, તણાવમુક્ત જીવન જીવવા માટેના ઉપાયો અને ઉપયોગી સૂચનોને ખૂબ જ કુશળતાપૂર્વક વણી લઈને તેમણે વ્યાખ્યાનને માહિતીસભર અને રસપ્રદ બનાવ્યું હતું. રોજંદા જીવનમાં બનતા પ્રતિકૂળ પ્રસંગોથી નિરૂત્સાહ થઈ, હતાશાની ગતિમાં ઘડેલાઈ ગયા પછી ડિપ્રેશનનો ભોગ બનતા આજના યુવાવર્ગને તેમણે આત્મવિશ્વાસ કેળવવા માટે ટકોર કરી હતી. કામના રઘવાટમાં ફસાઈ જઈને ઉશ્કેરાટ કે ઉતાવળીયું પગલું ભરી ન બેસાય તે માટે તેમણે દરેક કામને આયોજનપૂર્વક પાર પાડવા સૂચન કર્યું હતું.

P. G. Department of Economics

P. G. Department of Economics, SPU organised a two day National Seminar on 17th and 18th of

October 2006. The seminar was sponsored by UGC, SAP phase III. The theme of the seminar was "Rural Microfinance: Experiences, Challenges and Opportunities". Dr R. A. Sheresiva, Director of Agriculture, Government of Gujarat was Chief Guest, Dr R. P. S. Ahlawat, Vice-Chancellor, Navsari Agricultural University, Navsari was Guest of Honour. Presidential Address was delivered by Dr Katar Singh, Former Director, IRMA. About 60 delegates from all over the country attended the seminar. Total 17 papers were presented in the seminar. Keynote address was delivered by Dr P. K. Singh, Head, P.G. Department of Economics, S. P. University, VVNagar. The seminar was divided into five technical session. i.e. MF Sector - need, development, role, experiences of NABARD, MFIs, SHG - bank linkage, policy challenges, poverty alleviation, credit needs. Overdues and activities of SHGs, farm credit, co - op. banks, etc., Dr. B. G. Patel, Officiating Vice-Chancellor joined the seminar on 18th of October as President of the function. The last session was about discussion with representatives of SEWA (Anand), Mahila Antyodaya Kendra, Samanvay Resource Centre, Other NGOs and SHGs. They shared their experiences, regarding challenges in working with rural people, how they tried to solve their problems, how they created awareness and interest among them toward new approaches and growth and progress of their organizations for rural people etc. In the last session, Shri Sanat Mehta (former Finance Minister, Government of Gujarat) gave his valuable remarks as Chairman.

Bhanuben and Ratilal Doshi School of Biosciences

International Conference and 3rd Convention of Biotech Research Society of India :

International conference on "Exploring Horizons in biotechnology: A Global Venture" was held during November 2-4, 2006; organized by B&R Doshi School of Biosciences and Charutar Vidya Mandal, Vallabh Vidyanagar. More than 400 scientists, research students, lecturers and professors from various national and international universities and research institutions participated in the conference. Total 15 sessions were executed

in the entire conference, in which 27 eminent scientists from all over world presented their research work and their knowledge in the areas of basic and applied biotechnology and about 280 participants presented posters in five different fields of biotechnology.

First day of conference started with inaugural function. Prof G Padmanabhan, IISC, Bangalore was invited as a chief guest and delivered Inaugural Address highlighting the Prospects of Biotechnology in India. The key note address delivered by Dr (Mrs) Manju Sharma, IAR, Gandhinagar covered advances in various fields of Biotechnology. Dr B G Patel, Honourable Officiating Vice-Chancellor, Sardar Patel University presided over the function and delivered Presidential Address, emphasizing on the Prospects of Biotechnology in education and research. Dr B G Patel alongwith Prof Padmanaban conferred the BRSI annual awards to the winners.

In the plenary lecture, Dr Amit Ghosh expressed and shared his views on Ethical issues in biotechnology. Prof Satynarayana and Dr R.K. Saxena presented their respective research work in paper and leather industry.

On the 2nd and 3rd day of the conference eminent scientists from India and abroad shared their knowledge and research work on Medical biotechnology, Industrial biotechnology, Agricultural biotechnology, Environmental biotechnology and Molecular biology. On Second day plenary lecture was delivered by Prof G.K. Podila, USA, on "Tree biotechnology and biomass for bioenergy".

4th November 2006, last day of the conference ended with valedictory function. Prof Govindwar, Department of Biotechnology, New Delhi was the chief guest and Dr R.P. Patel, Charutar Vidya Mandal, Vallabh Vidyanagar presided the valedictory function. Prof Govindwar and Dr R.P. Patel distributed prizes and certificates to the winners of the Poster presentation competition. Prof Govindwar, in his talk - shared the information about the various new courses and projects in the field of biotechnology initialized by DBT.

Whole event was financially supported by- Department of Science & Technology, New Delhi, Department of Biotechnology, New Delhi, Gujarat State Biotechnology Mission, Gandhinagar, Council of Scientific & Industrial Research, New Delhi and Puri Foundation, Gandhinagar.

Faculty in News

New Projects:

Department of Biotechnology, Ministry of Science & Technology, New Delhi has granted two research projects to **Prof Datta Madamwar** :

1. "Production, Purification, Characterization and Structure Determination and Application of Phycobiliproteins from Cyanobacteria" in association with Dr (Mrs) Amita Shah as Co-investigator with grant of Rs 29,96,000/- for a period of 2 years.
2. "Isolation, Identification and Characterization of Genes for Azodye Degradation: An Approach Towards Construction of Efficient Bioremediation Strains".

A Multi-institutional project involving:

- (1) Prof Datta Madamwar (Project Co-ordinator & Principal Investigator-1), S. P. University, Vallabh Vidyanagar.
- (2) Dr (Mrs) Archana Gayatri (Principal Investigator-2), M. S. University of Baroda, Vadodara.
- (3) Dr Yogesh Shouche (Principal Investigator-3), National Centre for Cell Sciences, Pune.
- (4) Dr Haresh Keharaia (Co-Investigator), S. P. University, Vallabh Vidyanagar.

With total grant of Rs 74,96,000/- of which Rs 42,00,000/- has been sanctioned to S. P. University for a period of 3 years.

➤ **Prof I. L. Kothari** was invited by the Joint Secretary, Government of India to the two day International Conclave on Traditional Medicine on 16th and 17th Nov. 2006 for presenting our contribution for malaria disease.

➤ अनुस्नातक शिक्षणशास्त्र विभाग

डॉ. महेशचन्द्र डा. याज्ञिक, अध्यक्ष - शिक्षणशास्त्र विभाग, सरदार पटेल युनिवर्सिटीअे ता. २५-११-२००६ना रोज अनुस्नातक

શિક્ષણશાસ્ત્ર વિભાગ, વીર નર્મદ દક્ષિણ ગુજરાત યુનિવર્સિટી, સુરત ખાતે 'પ્રોફેશનલ ઇથીક્સ ઇન એજ્યુકેશન' વિષય પર વ્યાખ્યાન આપ્યું હતું.

ડૉ. મહેશચન્દ્ર યાજ્ઞિકે એન. એસ. એસ. કેમ્પ, ડાકોર ખાતે કેડેટ્સ અને આમંત્રિત નગરજનો સમક્ષ તા. ૧૪-૧૧-૨૦૦૬ના રોજ "Poverty and assessment of Legal aid" ઉપર મનનીય પ્રવચન આપ્યું હતું. આ પ્રસંગે ડાકોરના સીવીલ જજશ્રી હબીબ મનસુરી અને ડાકોર બાર એસોસીએશનના પદાધિકારીઓ અને સભ્યો પણ ઉપસ્થિત રહ્યા હતા.

આ જ વિભાગ ખાતે તા. ૨૩-૧૧-૨૦૦૬ના રોજ સ્વ. જોહરાબેન પોરા સ્મૃતિ વ્યાખ્યાન યોજાયા. વક્તા તરીકે શિક્ષણ વિભાગના પૂર્વ અધ્યક્ષ ડૉ. જયેન્દ્રભાઈ કે. શાસ્ત્રી હતા. વિષય હતો : 'નારી સશક્તિકરણ : ભારતીય દૃષ્ટિ'. કાર્યક્રમની શરૂઆતમાં સ્વાગત પ્રવચન અને પ્રવચન શ્રેણીનો પરિચય ડૉ. મહેશ યાજ્ઞિકે કર્યો હતો. કાર્યક્રમને અંતે આભારની લાગણી ડૉ. મહેન્દ્ર ચોટલિયાએ વ્યક્ત કરી હતી. આ પ્રવૃત્તિના ઇન્ચાર્જ તરીકે સર્વ વ્યવસ્થા ડૉ. વિનુભાઈ મોગરીયાએ સંભાળી હતી. આ ઉપરાંત અનુસ્નાતક શિક્ષણ વિભાગના વિદ્યાર્થીઓ સમક્ષ પણ ડૉ. જયેન્દ્રભાઈ કે. દવેએ 'શિક્ષણ તત્ત્વજ્ઞાનની નિર્દેશાત્મક ભૂમિકા' પર મનનીય પ્રવચન આપ્યું હતું. આભાર ભાવ અભિવ્યક્તિ વિભાગના રીડર ડૉ. પદ્મવીબેન પટેલે કરી હતી.

► અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગ

અનુસ્નાતક ગુજરાતી વિભાગમાં રીડર તરીકે કાર્યરત **ડૉ. પિનાકિની પંડ્યા**ને ગુજરાતી સાહિત્યમાં વિવેચન/સંશોધનક્ષેત્રે વિશિષ્ટ પ્રદાન કરવા બદલ પ્રમોદકુમાર સ્મૃતિનિધિના ઉપક્રમે ૪૦ વર્ષ કરતાં ઓછી વયના વિવેચક/સંશોધકને અપાતો 'નવોદિત યુવા વિવેચક એવોર્ડ' તાજેતરમાં ૧૬ નવેમ્બર ૨૦૦૬ના રોજ એનાયત થયો છે. અભિનંદન!

સિનિયર સીટીઝન ક્લબ, ડાકોર અને સિનિયર સીટીઝન ક્લબ, ઠાસરા દ્વારા ડૉ. હિતેશકુમાર એન. પટેલને બેવડા સુવર્ણચંદ્રક, સન્માનપત્ર અને શાલ અર્પણ કરાયા

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વલ્લભ વિધાનગરના અનુસ્નાતક સમાજશાસ્ત્ર વિભાગના ડૉ. હિતેશકુમાર એન. પટેલે વૃદ્ધત્વની સમસ્યા પર નોંધપાત્ર કાર્ય કરેલ છે. આ વિષય પર તેમના પુસ્તકો, સંશોધન લેખો પ્રકાશિત થયેલા છે. વચસ્કોની કલ્યાણ અને સુખાકારી માટે કાર્યરત વિવિધ સ્વૈચ્છિક સંસ્થાઓને તેઓ વિવિધ પ્રકારે બહુમૂલ્ય સેવાઓ આપી રહ્યા છે. આ સમગ્ર કામગીરીની કદર રૂપે તાજેતરમાં સિનિયર સીટીઝન ક્લબ, ડાકોર અને સિનિયર સીટીઝન ક્લબ, ઠાસરા દ્વારા વલ્લભ વિધાનગર મુકામે સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના સેનેટ હોલમાં ડૉ. હિતેશકુમાર એન. પટેલને બન્ને સંસ્થાઓ તરફથી અલગ-અલગ એમ બે સુવર્ણચંદ્રક, સન્માનપત્ર અને શાલ અર્પણ કરવામાં આવ્યા હતા. અભિનંદન !!

Chair in News

► **સરદાર વલ્લભભાઈ પટેલ સેન્ટર**, સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી, વલ્લભ વિધાનગરના ઉપક્રમે સરદાર પટેલની વ્યક્તિમત્તા વિષયક કાવ્યરચનાઓ તથા અન્ય કાવ્યો માણવાના સન્દર્ભે, એક કવિ સંમેલનનું આયોજન થયું હતું.

તા. ૨૫-૧૧-૨૦૦૬ના રોજ યુનિવર્સિટીના સેનેટ હોલમાં ૨-૩૦થી ૫-૩૦ દરમિયાન સારી રીતે સમ્પન્ન થયેલ આ કવિ સંમેલનના પ્રારંભે, ઉપરોક્ત સેન્ટરના માનદ્ નિયામકશ્રી મણિલાલ હ. પટેલે સૌનું સ્વાગત કરીને કવિઓનો પરિચય કરાવ્યો હતો. પ્રા. અજયસિંહ ચૌહાણે સેન્ટરની કામગીરીનો ખ્યાલ આપ્યો હતો. તેમણે સરદાર વિષયક કાવ્યોના અંશો વાંચી લઈને વાતાવરણ બાંધ્યું હતું.

કવિ સંમેલનનું સંચાલન જાણીતા કલારસિક-કલાવિદ્ કવિશ્રી જયદેવ શુક્લે સંભાળ્યું હતું. પ્રારંભ-વચ્ચે- તથા અંતે એમણે સરદારશ્રી વિશેનાં કાવ્યો રજૂ કર્યાં હતાં. કવિશ્રી જયંત પાઠકે સરદારશ્રીના મરણ વખતે રચેલું કાવ્ય વંચાવ્યું ત્યારે સૌ ભીને હૃદયે નતમસ્તક થયા હતા.

કવિ સંમેલનમાં કવિશ્રી હરીશ મીનાશ્રુ, રિષભ મહેતા, કિશોરસિંહ સોલંકી, વિનોદ ગાંધી, રાજેશ પંડ્યા, રાજેન્દ્ર પટેલ, યજ્ઞેશ દવે, સંજુ વાળા, મહેન્દ્ર અમીન, રાજેશ વ્યાસ 'મિસ્કીન' તથા જયદેવ શુક્લે કાવ્ય રચનાઓ રજૂ કરીને શ્રોતાઓને ભીંજવ્યા હતા. અંતે મણિલાલ હ. પટેલે સરદારશ્રી વિશેની એમની જાણીતી રચના- 'ગામ કરમસદના માણસની અચરજ જેવી વાત' રજૂ કરીને સૌનો આભાર માન્યો હતો.

આ સેન્ટરના ઉપક્રમે છ વ્યાખ્યાનો યોજાઈ ગયાં. વિગતો આ પ્રમાણે છે.

(૧) પ્રિ. ડૉ. બી. એન. જોશી (મોટા પોન્ડા-વાપી)

* તા. ૨૨-૧૧-૦૬ - એન. એસ. પટેલ આર્ટ્સ કોલેજ, આણંદ ખાતે 'સરદાર પટેલ અને બારડોલી સત્યાગ્રહ'

* પી. જી. ઇતિહાસ વિભાગ : સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી 'ગુજરાતમાં સત્યાગ્રહો અને સરદાર પટેલની ભૂમિકા'

(૨) પ્રો. મહેબૂબ દેસાઈ (ભાવનગર)

* તા. ૨૮-૧૧-૦૬ - એન. એસ. પટેલ આર્ટ્સ કોલેજ, આણંદ 'ભારતના મુસ્લિમો અને સરદાર પટેલ'

* નલિની -અરવિંદ આર્ટ્સ કોલેજ- વિધાનગર 'આઝાદીના આંદોલનમાં સરદાર પટેલનું યોગદાન'

(૩) ડૉ. અરૂણકુમાર વાઘેલા (અમદાવાદ)

* તા. ૨૯-૧૧-૦૬ - પી. જી. ઇતિહાસ વિભાગ, સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી તથા નલિની-અરવિંદ આર્ટ્સ કોલેજ

(૧) સરદાર પટેલ : નેતૃત્વશક્તિ અને નેતાગીરી

(૨) સરદાર પટેલ : સ્વાતંત્ર્ય ભારતના ઘડવૈયા

આ છએ વ્યાખ્યાનોમાં વિવિધ કોલેજોના વિદ્યાર્થીઓ, અધ્યાપકો તથા રસિકજનોએ ભાગ લીધો હતો. સેન્ટરના નિયામકશ્રી પ્રો. મણિલાલ હ. પટેલે સેન્ટરનાં કાર્યોની માહિતી આપી હતી, તો પ્રો. મૌલિશ પંડ્યા, પ્રા. વિનુભાઈ તળપદા તથા પ્રો. રોહિતભાઈ પંડ્યાએ વક્તાઓને આવકારી, પરિચય કરાવી, વિષયની ભૂમિકા બાંધી હતી. ત્રણે સંસ્થાના અધ્યાપકોનો સહકાર નોંધપાત્ર રહ્યો.

SICART:

Sophisticated Instrumentation Centre for Applied Research and Testing, popularly known as SICART is a state of the art Instrumentation centre with Ultra sophisticated testing facilities, housed in the heart of the Vallabh Vidyanagar Campus. It is Charutar Vidyamandal establishment sponsored by Department of Science and Technology, Government of India, with the objective of pursuit of excellence in problem solving services for Industries, Research scientists and students, R & D Centres and Universities.

The SICART is equipped with a range of sophisticated instruments like Transmission Electron Microscope, X-ray diffractometer, plasma Spectrometer, Thermal analysis system, laser particle size analyzer, Gas chromatograph-Mass Spectrometer, C-H-N-S-O analyzer, FTIR Spectrometer, UV-VIS-NIR Spectrometer, Microhardness tester, Universal testing machine, Gel Permeation Chromatography, Mercury Porosimeter, TOC analyzer, Water analysis system, Gas chromatograph CO₂ analyser etc.

Apart from providing testing and analysis services at a very moderate charges. SICART also helps in R & D problem solving, short term courses and training and consultancy. SICART is recognized as External Environment Auditor by Gujarat Pollution Control Board, Ministry of Science and Technology, Government of India and has also been recognized as SIRO - Scientific Instrumentation and Research Organization.

SICART has Memorandum of Understanding with Institut fur Chemo and Biosensorik Munster Germany, Yasuda Tanabe Laboratory, Institut de Chimie des Surfaces et Interfaces, France.

Professional and Technical Programs in Sardar Patel University:

The Sardar Patel University runs a large number of professional courses under the Medicine, Engineering and Pharmacy Faculty.

These include :

Faculty of Medicine: Apart from graduation in Medicine and Homoeopathy several post graduate programme in Surgery, Gynecology and Diploma courses like ENT, Anesthesiology, Radiology, Gynecology, and Diploma in Nursing & Midwifery, Medical Laboratory Technology are offered at the affiliated colleges.

Faculty of Engineering: The Engineering Colleges: Birla Vishwakarma Mahavidyalaya (BVM), G H Patel College of Engineering and Technology (GCET) and A D Patel Institute of Technology (ADIT) under the Faculty of Engineering offer a large number of Graduate programs viz. Civil, Mechanical, Electrical, Computer, Electronics and Communication, Production Engineering, IT, Chemical Engineering, Mechatronics, Food Processing Technology and Automobile Engineering. The Masters programs run at the Charutar Vidyamandal Institute of Science and Technology for Advanced Studies and Research (ISTAR) include Environment Engineering, Construction and Management, Structural Engineering, Mechanical Machine Design, Electrical Engineering and Computer Engineering.

Faculty of Pharmacy: This faculty offers D Pharm, B Pharm and M Pharm with specializations like Quality Assurance, Pharmaceutics, Clinical Pharmacy, Pharmacognosy as well as Ph D program.

University also runs **MBA** and **MCA** programmes.

Apart from running academic programs the affiliated colleges also provide consultancy services and training to the industries and entrepreneurs in various areas of their expertise.

**U. G. C. Sponsored Net Coaching Centre for SC/ST
Sardar Patel University
Vallabh Vidyanagar**

* **Enrolment of Students during the preceeding years 2005-06 :**

Year	Course	General	SC	ST	Belonging Minority Community	Total	Male	Female
1. i.e. 2005/06	P.G. M.Phil. Ph.D.	-	18	26	-	44	27	17

* **No. of Candidates Appeared : 40**

* **Percentage Result : 25%**

Net Result 25th June 2006 By U.G.C., New Delhi

SC/ST Candidates

(1)	Ravaliya Rameshkumar Kantilal	SC	Subject - Sociology
(2)	Rohit Dipikaben K	SC	Subject - Sociology
(3)	Rohit Dineshkumar M	SC	Subject - Economics
(4)	Alokprasad	SC	Subject - Biosciences
(5)	Mina Sitaram	ST	Subject - Biosciences
(6)	Rathava Sudha D	ST	Subject - Gujarati

Gujarat State Eligibility Test for Lectureship on 2nd July 2006

SC/ ST Candidates

(1)	Vaghela Bhartiben I	SC	Subject - Gujarati
(2)	Rathava Sudha D	ST	Subject - Gujarati
(3)	Suvera Piyushkumar R	ST	Subject - Economics
(4)	Hariya Kalpeshkumar	ST	Subject - Maths

**CHARUTAR VIDYA MANDAL'S
A.R. COLLEGE OF PHARMACY &
G.H. PATEL INSTITUTE OF PHARMACY,
VALLABH VIDYANAGAR
AWARDED ACCREDITATION STATUS**

Accreditation status by National Board of Accreditation, All India Council for Technical Education, New Delhi is awarded to both the programme B. Pharm. and D. Pharm. conducted at Charutar Vidya Mandal's institution A.R. College of Pharmacy & G.H. Patel Institute of Pharmacy, Vallabh Vidyanagar, Headed by Dr A.K. Saluja for next three years. Accreditation of the institution is recognition for the quality education in the

country and is given on a 1000 points scale subsequent to inspection and evaluation of the institution by NBA-AICTE Committee. The Committee members visited the institute in the month of January 2006. It is the first Pharmacy institution accredited in Gujarat state and under Sardar Patel University. The credit goes to Dr C.L. Patel, Chairman, Charutar Vidya Mandal and all office bearers of Charutar Vidya Mandal, staff members, students and Alumni of the institute. The need and demand for accreditation arose in view of extra-ordinary quantitative growth in number and variety of such educational institutions mushrooming all over the country over last 15 years.

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના લોક વિજ્ઞાન કેન્દ્ર અને ભારત સરકારના મીનીસ્ટ્રી ઓફ સ્મોલ સ્કેલ ઇન્ડસ્ટ્રીઝ સંચાલિત સ્મોલ ઇન્ડસ્ટ્રીઝ સર્વિસ ઇન્સ્ટીટ્યુટ, અમદાવાદના સહયોગથી અનુસ્નાતક રસાયણશાસ્ત્ર વિભાગમાં બે દિવસીય નિદર્શન શાળાનું તારીખ ૬ અને ૭ ઓક્ટોબર ૨૦૦૬ દરમિયાન આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. આ શાળામાં યુવાનોમાં લઘુઉદ્યોગ-સાહસિકતા કેળવવાય તે હેતુસર વિવિધ કેમીકલ આઈટમોનું પ્રત્યક્ષ નિદર્શન કરવામાં આવ્યું હતું. આ કાર્યશાળામાં કેમીકલ આઈટમો જેવી કે પેઇન બામ, લીકવીડ ડીટરજન્ટ, કલીન્સીંગ/વોશીંગ પાઉડર, ટોઇલેટ/મારબલ/ગ્લાસ કલીનર, લીકવીડ બ્લુ, ફીનાઇલ કમ્પાઉન્ડ, હર્બલ મોસ્કચુટો લીકવીડ, વેક્સ કેન્ડલ અને કોસ્મેટીક્સ આઈટમો જેવી કે ફેઇસ પેક, હેર પેક, શેમ્પુ હર્બલ/સિન્થેટીક, કલીન્સીંગ મિલ્ક, બોડી લોશન, સન સ્ક્રીન લોશન, વેસેલીન, કેક ક્રિમ, હેર જેલ, હેર રિમુવલ વેક્સ, રોઝ વોટર વગેરે બનાવવાની તાલીમ આપવામાં આવી હતી. આ કાર્યશાળામાં કુલ ૮૭ યુવકોએ ભાગ લીધો હતો.

કાર્યશાળાનો ઉદ્ઘાટન કાર્યક્રમ તારીખ ૬-૧૦-૨૦૦૬ના શુક્રવારના રોજ ચાત્રતર વિદ્યા મંડળ સંચાલિત આઈસ્ટાર કોલેજના નિયામક ડૉ. એમ.એમ. પટેલની અધ્યક્ષતામાં યોજાયો. સમારંભના અધ્યક્ષ ડૉ. એમ.એમ. પટેલે ટીપ પ્રાગટ્ય કરી કાર્યશાળાનું ઉદ્ઘાટન અને પ્રાસંગિક પ્રવચન કર્યું હતું. બે દિવસીય કાર્યશાળામાં લઘુઉદ્યોગ સ્થાપવાની તૈયારી, માર્કેટીંગ, પ્રોડક્ટનું વેચાણ, કવોલીટી તથા ઉદ્યોગ સ્થાપવા માટે શું જરૂરી છે તે વિશે જ્ઞાન આપવામાં આવ્યું હતું. નિદર્શનના પ્રયોગો અમદાવાદથી આવેલ વિષય નિષ્ણાત શ્રી કમલેશ મહેતાએ કર્યું હતું. સમાપન કાર્યક્રમ સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના કાર્યકારી કુલપતિશ્રી ડૉ. બી.જી.પટેલની અધ્યક્ષતામાં યોજાયો હતો, જેમાં લોક વિજ્ઞાન કેન્દ્રના માનદ્ નિયામકશ્રી ડૉ. શાંતિભાઈ પટેલે મહેમાનોને પુષ્પગુચ્છથી આપકારી તેમનો પરિચય આપ્યો હતો. ડૉ. બી.જી.પટેલે તેમના પ્રાસંગિક પ્રવચનમાં જણાવ્યું કે જો મિકેનીકલ એન્જિનિયર બાથરૂમનો બગડી ગયેલો નળ રીપેર ન કરી શકે તો કેવી શરમજનક બાબત ગણાય ! એમ જો રસાયણશાસ્ત્રના વિદ્યાર્થી ઘર વપરાશની કેમીકલ પ્રોડક્ટ વિષે અજ્ઞાન રહે એ કેમ ચાલે. સાચા અર્થમાં આ નિદર્શન શાળા ભાવી રસાયણવિદોને ઉપકારક નિવડશે. નાના ઉદ્યોગ સ્થાપવા માટેની પૂર્વભૂમિકા અને પ્રોડક્ટની કવોલીટી અંગેની જાણકારી માટેની કાર્યશાળાના આયોજકોને અભિનંદન પાઠવ્યા હતાં. અંતમાં રસાયણ શાસ્ત્ર વિભાગના રીડર ડૉ. ડી.કે. રાવલે સૌનો આભાર માન્યો હતો.

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટીના લોક વિજ્ઞાન કેન્દ્ર તથા એન. એલ. પટેલ હાઈસ્કૂલ, નાપાડના સંયુક્ત ઉપક્રમે તારીખ ૨થી ૮ ઓક્ટોબર ૨૦૦૬ દરમિયાન વાઈલ્ડ લાઈફ વીકની ઉજવણી કરવામાં આવી હતી. આ ઉજવણી અંતર્ગત વિવિધ કાયકમોનું આયોજન કરવામાં આવ્યું હતું. તારીખ ૫-૧૦-૨૦૦૬ના રોજ ધોરણ ૮,૯ અને ૧૦ના વિદ્યાર્થીઓ માટે નિબંધ સ્પર્ધાનું આયોજન કર્યું હતું. જેના વિષયો હતા: (૧) લુપ્ત થતું વન્ય જીવન, (૨) વિનાશના આરે વન્ય જીવન (૩) વન્ય જીવનને બચાવવા સરકારે કરેલા પ્રયત્નો, (૪) વન્ય જીવન વિનાશના કારણો તથા તેને બચાવવાના ઉપાયો. આ વિષયો પૈકી એક વિષય પર ૩૦૦ શબ્દોમાં નિબંધ તૈયાર કરવાનો હતો. સ્પર્ધામાં કુલ ૧૩૨ વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લીધો હતો. જેમાં પ્રથમ નંબરે શિરીષ ઘની રાહોડ, દ્વિતીય નંબરે સીદ્ધીક ડી. રાહોડ તથા તૃતીય નંબરે કિશન એમ. કાઠિયાપટેલને વિજેતા જાહેર કર્યા હતાં.

તારીખ ૭-૧૦-૨૦૦૬ના રોજ ‘અર્બન વાઈલ્ડ લાઈફ’ તથા ‘કોન્સર્વેટીવ બીટવીન વાઈલ્ડ લાઈફ અને હ્યુમન બીઈંગ’ વિષય પર પોસ્ટર સ્પર્ધા યોજવામાં આવી હતી. આ સ્પર્ધામાં કુલ ૧૫૦ વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લઈને સ્પર્ધાને સફળ બનાવી હતી. જેમાં વિજેતા તરીકે પ્રથમ ક્રમાંકે શાહીનાબાનુ રાહોડ, દ્વિતીય ક્રમાંકે વિજયખાન એસ. રાહોડ અને તૃતીય ક્રમાંકે ખુરશીદખાન ડી. રાહોડને વિજેતા જાહેર કર્યા હતાં.

તારીખ ૯-૧૦-૨૦૦૬ના રોજ ‘હ્યુમન ઇન્ટરફીઅરન્સ એન્ડ વાઈલ્ડ લાઈફ’ વિષય પર વક્તૃત્વ સ્પર્ધા યોજવામાં આવી હતી. જેમાં કુલ ૧૮ વિદ્યાર્થીઓએ ભાગ લીધો હતો. જેમાં પ્રથમ ક્રમાંકે શાહીનાબાનુ રાહોડ, દ્વિતીય ક્રમાંકે કિંજલ આર. મકવાલા અને તૃતીય ક્રમે હેમંતસિંહ ડી. રાહોડને વિજેતા જાહેર કરવામાં આવ્યા હતાં. આ હરિક્ષાઈઓમાં નિર્ણાયક તરીકે શ્રી રામભાઈ પટેલ, ડી.એમ. પટેલ, વી.એચ. ભોઈ, આર.એચ. રાવલ તથા એ. પી. કાઠિયાએ સેવા આપી હતી.

ત્યારબાદ ૩.૩૦ કલાકે મુરબ્બી શ્રી હિમ્મતગીરી ગોસ્વામીની અધ્યક્ષતામાં સમાપન સમારોહ યોજવામાં આવ્યો હતો. અતિથિ વિશેષ તરીકે લોક વિજ્ઞાન કેન્દ્રના નિયામક શ્રી ડૉ. શાંતિભાઈ પટેલે ઉપસ્થિત રહી વિજેતાઓને પ્રમાણપત્રો અને ટ્રોફી એનાયત કરી અભિનંદન પાઠવ્યા હતાં. શાળાના આચાર્યશ્રી અરવિંદભાઈ પટેલે મહેમાનોનું સ્વાગત કરી પરિચય આપ્યો હતો. અંતમાં કુ. નયના પટેલે આભાર માની કાર્યક્રમ પૂર્ણ કર્યો હતો. સમગ્ર કાર્યક્રમનું સંચાલન શ્રી વી. એચ. ભોઈ સાહેબે કર્યું હતું.

મ્યુઝિયમના વિકાસનું દ્વિતીય સોપાન (૧૯૬૦થી ૧૯૭૦)

વલ્લભ વિધાનગરમાં સરદાર વલ્લભભાઈ વિધાપીઠ (જે હવે સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી તરીકે ઓળખાય છે) સ્થપાતાં, આ મ્યુઝિયમ તેણે પહેલી જુલાઈ, ૧૯૬૦ના રોજ પોતાને હસ્તક લીધું અને તેને બહુ-હેતુક (મલ્ટીપરપઝ) યુનિવર્સિટી મ્યુઝિયમ તરીકે વિકસાવવા માંડ્યું. આમ ચારુતર વિદ્યામંડળે ૧૯૪૯માં સ્થાપેલ “કલા અને પુરાતત્ત્વના મ્યુઝિયમ”નો વ્યાપ વધતાં યુનિવર્સિટીમાં અસ્તિત્વ ધરાવતી વિવિધ વિદ્યાશાખાઓ તથા ઉપશાળાઓના વિષયોને પ્રદર્શન તથા અન્ય શૈક્ષણિક/સંશોધનની પ્રવૃત્તિઓમાં આવરી લેવાની તક મળી. સ્વ. શ્રી અમૃત વસંત પંડ્યાને ક્યુરેટર તરીકે ચાલુ રાખવામાં આવ્યા.



કોલ્પોકેશનના જૂલુશમાં ઘણા વર્ષો સુધી નાયબ કુલસચિવશ્રી આ ચાંદીની કલાત્મક ગદા હાથમાં પકડી સમારંભના સ્થળ તરફ ચાલતા હતા તેવી પ્રણાલી હતી.

ભારતીય મ્યુઝિયમોની સમાલોચના (ઇન્ડિયન મ્યુઝિયમ રીવ્યુ) કરતા સામયિકમાં વર્ષ ૧૯૬૧થી ૧૯૬૪ના પ્રસિદ્ધ થયેલ હેવાલમાં પણ આપણું મ્યુઝિયમ બહુહેતુક બનતા પ્રવૃત્તિઓનો વ્યાપ વધ્યો તેવો ઉલ્લેખ છે. મ્યુઝિયમ્સ એસોસિએશન ઓફ ઇન્ડિયાએ ૧૯૬૯માં પ્રસિદ્ધ કરેલ મ્યુઝિયમોની લઘુ-માર્ગદર્શિકાની પ્રથમ આવૃત્તિમાં પણ આપણા મ્યુઝિયમની માહિતી આપવામાં આવી છે.

પૂ. સ્વ. ભાઈકાકા અને પૂ. સ્વ. ભીખાભાઈએ વાવેલ આ મ્યુઝિયમરૂપી બીજ, યુનિવર્સિટીને હસ્તક લેવાતાં ૧૯૬૦થી ૧૯૭૦ના સમય દરમ્યાનના વિકાસના દ્વિતીય સોપાનમાં સુવિકસિત છોડની સ્થિતિમાં પાંગરી શૈક્ષણિક અને સંશોધનરૂપી પુષ્પોની સુવાસથી મધમધી ઉઠ્યું.

૧૯૬૦થી ૧૯૬૩ દરમ્યાન યુનિવર્સિટીના માનવવિદ્યા ભવનમાં મ્યુઝિયમને હોલ ફાળવ્યા હતા. ત્યારબાદ ૩૦ વર્ષો (૧૯૬૪થી ૧૯૯૪) સુધી ભાઈકાકા લાયબ્રેરી ભવનમાં મ્યુઝિયમ માટે એક વિશાળ પ્રદર્શન-ખંડ, કાર્યાલય અને અનામતસંગ્રહ ખંડ ફાળવવામાં આવ્યો હતો. કલા, ઇતિહાસ, પુરાતત્ત્વ ઉપરાંત ભૂસ્તરશાસ્ત્ર જેવા વિષયને લગતો સંગ્રહ પણ ક્ષેત્રકાર્ય (ફીલ્ડવર્ક) તથા ખરીદી કરીને વર્ષ ૧૯૬૩-૬૪ દરમ્યાન પ્રાપ્ત કર્યો. નર્મદાના ખીણ વિસ્તારમાંથી ત્રણ લાખ વર્ષ જેટલા પ્રાચીન, પાષાણયુગના પુરાવશોષો સ્વ. પંડ્યાએ ક્ષેત્રકાર્યથી એકત્રિત કરી મ્યુઝિયમમાં પ્રદર્શિત કર્યા.

કેન્દ્રસરકારશ્રીને હસ્તક ફિલ્મ ડિવિઝને આ સંગ્રહ પર એક ડોક્યુમેન્ટરી તૈયાર કરી સીનેમાગૃહોમાં ભારતભરમાં બતાવી હતી. વર્ષ ૧૯૬૪-૬૫ દરમ્યાન ગુજરાત રાજ્યના તે વખતના મુખ્યમંત્રી સ્વ. બલવંતરાય મહેતાએ મ્યુઝિયમની મુલાકાત લીધી હતી. તે વખતે કેન્દ્ર સરકારશ્રી તરફથી "The Lost Sarasvati" પુસ્તક પ્રસિદ્ધ કરવા માટે મ્યુઝિયમને અનુદાન મળ્યું હતું અને આ પુસ્તક વર્ષ ૧૯૬૭-૬૮ દરમ્યાન પ્રસિદ્ધ થયું. સ્વ. પંડ્યાએ કરેલા સંશોધનોની અખિલ ભારતીય ધોરણે વિવિધ સંગ્રહો જેવાં કે Museums Associations of India, All India History Congress, Indian Science Congress, Numismatic Society of Indiaના વિવિધ પ્રકાશનોમાં પ્રસિદ્ધ થયા. ખ્યાતનામ તજજ્ઞ ડૉ. કલોસ્ ફીશર અને મુનિ પુણ્યવિજયજીના “અફઘાનિસ્તાનનું પુરાતત્ત્વ”

અને “ગુજરાતના સામાજિક ઇતિહાસ” વિષય પર વ્યાખ્યાનો વર્ષ ૧૯૬૨માં યોજ્યાં હતાં.

તા. ૧૭-૫-૧૯૬૯ના રોજ મળેલ સિન્ડિકેટની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક ૧૦ના અન્વયે ક્યુરેટરની ખાલી પડેલી જગ્યા નહીં ભરવા તથા તા. ૧૭-૫-૧૯૬૯ના સિન્ડિકેટની સભાના ઠરાવ ક્રમાંક ૨૫ અનુસાર અનુસ્નાતક ઇતિહાસ વિભાગના તે વખતના અધ્યક્ષ સ્વ. ડૉ. એ. આર.જી. તીવારીને મ્યુઝિયમનો ચાર્જ અપાયો (તા. ૨૮-૪-૧૯૬૯). તેઓશ્રીએ મ્યુઝિયમના સંગ્રહનું પદ્ધતિસર દસ્તાવેજીકરણ કરવાનું, અવાર-નવાર હંગામી પ્રદર્શનો યોજવાનું, સંગ્રહ પર સંશોધન કરી તેને લગતા લેખો ખ્યાતનામ સામયિકોમાં પ્રસિદ્ધ કરવા ઉમંગ અને ખંતથી કામ કર્યું. મ્યુઝિયમના વિકાસ માટે રાજ્ય સરકારશ્રીના મ્યુઝિયમખાતા તરફથી નવા શો-કેઈસ અને પેડેસ્ટલો કરવાનું અનુદાન પણ તેમના કાર્યકાલ દરમ્યાન મળ્યું હતું.

આમ મ્યુઝિયમના વિકાસનું દ્વિતીય સોપાન ઘણું નોંધપાત્ર છે.

- નંદન શાસ્ત્રી (ક્યુરેટર)

- એ. એ. સૈયદ (મદદનીશ ક્યુરેટર)

SARDAR PATEL UNIVERSITY - A Brief Profile

SPU was established in 1955.

Presently the SPU has :

- 25 Departments
- 01 Constituent College
- 52 Affiliated Colleges
- Agro-Economic Research Centre (sister concerned organization)
- DST Sponsored Sophisticated Instrumentation Centre for Applied Research & Testing (affiliated)
- Sardar Patel Renewable Energy Research Institute

In addition to above, University has Central Library, University Science and Instrumentation Centre (USIC), Computer Centre with UGC-INFONET & EDUSAT facilities, Community Radio Station, Community Science Centre, Museum, Press and Health Centre.

The University offers :

- 31 Ph. D. Programmes
- 41 Master level Degree Courses
- 25 Bachelor level Degree Courses
- 29 Diploma and Post Graduate Diploma Courses
- 15 Certificate Courses

The Faculties at the University :

Engineering & Technology, Medicine, Pharmaceutical Sciences, Science, Home Science, Management, Education, Arts, Law, Business Studies and Homoeopathy.

Presently, University has more than 44 ongoing major research projects.

The University publishes regularly a monthly newsletter entitled "Sheel Shrutam" and research journals like "Prajna", "Artha-Vikas", "The Journal of Education and Psychology", "Journal of Engineering and Technology", "Mimansa" and "Synergy".

The University has about 32 International linkages.

The University has established 09 different study Chairs.

The University has produced 67 Ph. Ds last year and total 1,679 Ph. Ds till date.

Total faculty members in the University are as under :

Faculty	Total	Ph. D
Professors	27	27
Readers	52	51
Lecturers	99	79
Principal	01	01
Total	179	158

સરદાર પટેલ યુનિવર્સિટી વલ્લભ વિધાનગર

✓ જલ્મા પદવીદાન સમારંભ સમયે હાજર અને ગેરહાજર રહી પદવી લેનાર વિદ્યાર્થીઓની સંખ્યા :

૧૫-૧૨-૨૦૦૬ (શુક્રવાર)

ક્રમ	વિદ્યાશાખા	હાજર	ગેરહાજર	કુલ
૧.	વિનયન	૧૮૯૯	૪૦૪	૨૩૦૩
૨.	વિજ્ઞાન	૧૪૯૨	૮૦૨	૨૨૯૪
૩.	ઇજનેરી	૪૧૦	૮૧૬	૧૨૨૬
૪.	બીઝનેસ સ્ટડીઝ	૭૨૮	૨૮૨	૧૦૧૦
૫.	મેનેજમેન્ટ	૧૨૧	૧૭૫	૦૨૯૬
૬.	લૉ	૧૧૮	૧૧૫	૦૨૩૩
૭.	એજ્યુકેશન	૫૪૦	૧૯૭	૦૭૩૭
૮.	ગૃહ વિજ્ઞાન	૧૪૫	૦૨૯	૦૧૭૪
૯.	હોમીયોપેથી	૦૫૫	૦૩૧	૦૦૮૬
૧૦.	ફાર્મસી	૦૪૦	૧૦૮	૦૧૪૮
૧૧.	મેડીસીન એન્ડ સર્જરી	૦૩૭	૦૮૮	૦૧૨૫
		૫૫૮૫	૩૦૪૭	૮૬૩૨

✓ જલ્મા પદવીદાન સમારંભમાં કુલ ૧૧૯ સુવર્ણચંદ્રકો એનાયત કરવામાં આવશે.

✓ ડીસેમ્બર-૨૦૦૬ના પદવીદાન સમારંભ સમયે વિવિધ વિદ્યાશાખાઓના કુલ ૮૬૩૨ વિદ્યાર્થીઓને પદવીઓ અર્પણ કરવામાં આવશે અને આ સાથે કુલ ૧,૫૪,૪૬૧ વિદ્યાર્થીઓને વિવિધ વિદ્યાશાખાઓની પદવીઓ અર્પણ કરવામાં આવી છે.

11th Minute Miracle

Einstein said, "There are only two ways to live your life. One is as though nothing is a miracle. The other is as though everything is a miracle." When you believe everything is a miracle you create a miracle mindset and start to see little miracles all around you, like putting on a new pair of glasses, the world looks different. You see the miracle of life in a newborn baby. You feel the miracle of love in a warm embrace. You observe God's miracles and abundance everywhere, in everything; even in challenges and pain.

God is the ultimate miracle farmer supplying us with an infinite amount of miracle seeds. Our job is to plant and nurture these seeds through our thoughts, prayers and connection to God. Everything is energy and the more we focus our energy and attention on cultivating a miracle mindset and optimistically expecting miracles... the more we will experience miracles in our life. To help you create this powerful connection to God and experience more miracles in your life I offer you a few 11th Minute Miracles from my book *The 10-Minute Energy Solution*. Try the following action steps and experience the miracles for yourself.

Action Steps

1. Spend 10 minutes in silence each day: While in silence think of the word "God" while inhaling and think "God" again while exhaling. When your 10 minutes are up then devote just a minute to reading one of the 11th Minute Miracle prayers below and let them fuel you with spiritual energy.

2. 11th Minute Miracles: I pray for a miracle God-not any specific miracle-just a miracle that is meant to appear in my life. I pray that this plan will help me become a conduit for the miracles that are all around me. Flow through me God with all your miracles, love, abundance, joy and happiness. Make me an instrument of your peace and love. Guide me to see the simple but amazing treasures hidden within me. Help me to express these gifts and receive the blessings that are meant for me. I am a miracle God and I thank you for creating me and all the miracles around me. I am ready to discover the best within me, I am ready to experience the miracles all around me. I am ready to connect with you, my higher power, I pray for a miracle, I am ready when the time is right.

God, help me choose positive energy instead of negative energy. Help me choose love instead of hate. Success instead of failure. I pray to let go of my negative thoughts, negative self image and self doubt. I pray for the confidence to believe that I am a success. I pray for the strength and the patience to create a successful life, one day at a time.

Dear God, with each breath I take and each move I make I feel more connected to you, my spiritual source. So please flow through me. Allow me to feel your divine,

calm energy. Help me to feel what I already know; that I am connected with all the energy and abundance around me; that I am one with everyone and everything; that I am one with you God. I am calm in your presence. I am centered in your peace. I am energized in your flow. Flow through me God. I am one with you. Dear God, allow me to see that I am whole. I am not my weaknesses, problems, or worries, I am my strengths. Help me to use these 10 minute exercises to find the best in me and then let me embody this feeling throughout the day, week, month and year. When I am weak let me remember that I am strong. When I am sad, remind me why I should be happy. When I fear, let me transition to trust. When I feel the urge to hate, fill my heart with compassion. When I am negative, help me be positive. Give me strength God. Allow me to see through new eyes that I am whole-that I am strong-that I am positive-that I am loved by you.

Open my eyes to the miracles all around me God. Widen my ears so I can hear miraculous conversations. Enlarge my trust so I can envision a bigger plan and miracle that is meant for me. I am ready to take a leap of faith God. I understand that they don't call it a leap of fear for a reason. They call it a leap of faith and I am ready to fuel up with trust and take my leap today. Today I give you my fear and I accept trust. Today I rise up above the muck and good in my life and I see the possibilities and hope that exists all around me. I realize how fear has limited me all these years and today I commit to breaking free-to live the life I was born to live, I am ready to embrace trust as a mindset, a philosophy and a way of life. I am ready to energize my life with the power of trust, I trust in you God. I know you will always be with me. You will walk within my step. You will breathe within my breath. You will shine within my light. You will love within my embrace. God, I know you are the whisper that moves me in the right direction. You are the voice in my dreams that says "you can do it". You are the arm that lifts me up when I fall. You are the nudge that tells me to "get going". You are the goose bumps that alert me to the truth. You are the love in my heart. And you are the light that shines inside me. So thank you God for expressing your love through me. Thank you for teaching me to be a better person. Thank you for all the experiences I have had and will have. Thank you for providing me with a roof over my head and food to eat. Thank you for the hands to write, legs to walk and a mouth to talk. Thank you for the opportunity to improve my life and thank you for the love, joy, and happiness that is all around me. Thank you for the 11th minute Miracle God. I look forward to seeing and experiencing all the miracles in my life.

(Source: Internet)

SARDAR PATEL UNIVERSITY
VALLABH VIDYANAGAR

CONVOCATION - 2006

STATEMENT SHOWING THE GOLD MEDALS AWARDED TO THE STUDENTS FOR THE
YEAR APRIL/MAY/JUNE/JULY-2006 EXAMINATION.

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
1	B.A.	SHETH HARGOVANDAS LAKHMICHAND GOLD PLATED MEDAL	AAC	Soniyakumari Vijaybhai Patel
2	B.A.	DR. OMANAND R. SARASWAT GOLD PLATED MEDAL	NSP	Harshadbhai Ramanbhai Zala
3	B.A.	CHAROTAR NAGRIK SAHAKARI BANK LTD. GOLD MEDAL	NA & TV	Piyushkumar Ishvarbhai Patel
4	B.INTE-RIOR DESIGN	PARISAR TRUST INTERIOR DESIGN GOLD MEDAL	APID	Mohammedzuber Rafiahmed Deliwala
5	M.A.	SHRI SHIVABHAI MARGHABHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL	AAC	Samimbahen Usmanbhai Vahora
6	M.A.	PANDIT MOTILAL NEHRU CENTENARY GOLD PLATED MEDAL	DEPT. OF HINDI	Krishanaben Shantilal Patel
7	M.A.	SHETH RUPSI MADHAVJI MEMORIAL SANSKRIT GOLD PLATED MEDAL	DEPT. OF SANSKRIT	Deepakbhai Dalpatbhai Tadvi
8	M.A.	PANCHAM PITHADHISHWAR GOSWAMIJI SHRI GOVINDLALJI MAHARAJ GOLD MEDAL	DEPT. OF SANSKRIT	Deepakbhai Dalpatbhai Tadvi
9	M.A.	PROF. RK AMIN GOLD PLATED MEDAL	DEPT. OF ECONOMICS	Rajubhai Vejabhai Modhawadiya
10	M.A.	LATE SHRI DAHYABHAI TULSIBHAI PATEL (BAKROL) GOLD MEDAL	DEPT. OF ECONOMICS	Mehulkumar Jashwantbhai Rathod
11	M.A.	LATE PROF. JASHBHAI KASHIBHAI PATEL SMRUTI SUVARNA CHANDRAK	DEPT. OF GUJARATI	Savankumar Vijaykumar Jayswal
12	M.A.	SATYABALA VIMOCHANRAV DESAI GUJARATI GOLD MEDAL	DEPT. OF GUJARATI	Savankumar Vijaykumar Jayswal

Sr. No.	Name of the Exam.	Name of the Gold Medal	Coll./ Dept.	Name of the Students Awarded the Medal
13	M.A.	PROF. R.A. DAVE GOLD PLATED MEDAL	DEPT. OF ENGLISH	Darshanaben Jaswantsinh Vaghela
14	M.A.	SMT. KASHIBEN MOTIBHAI LALLUBHAI PATEL (RAS) GOLD MEDAL	DEPT. OF HISTORY	Pinalben Dineshbhai Patel
15	M.A.	DR. CASHMERA P. BHAYA GOLD MEDAL	DEPT. OF SOCIO- LOGY	Rameshkumar Kantilal Ravaliya
16	M.A.	P.G. HISTORY DEPARTMENT SARDAR PATEL UNIVERSITY GOLD MEDAL	DEPT. OF HISTORY	Shilpababen Divyakantbhai Chhaya
17	M.A. (E.L.T)	CHARUTAR VIDYA MANDAL'S H M PATEL GOLD MEDAL	HMP	Susan Vinay Khanapur
18	B.LIB. SCI.	DR GORDHANBHAI SHANABHAI PATEL GOLD MEDAL	DEPT. OF LIB. SCI.	Dilipkumar Dhirubhai Vala
19	M.PHIL (HIST.)	SMT. SHARDABEN AND SHRI MANUBHAI RAGHUBHAI SOLANKI GOLD MEDAL		No Student Offered this Subject
20	M.S.W.	SHRI RO SHAH STATE BANK OF INDIA EMPLOYEES UNION AHMEDABAD CIRCLE GOLD MEDAL	DEPT. OF MSW	Nitu Amrit Saini
21	B.Sc.	SMT. KAMLABEN CHANDULAL DESAI GOLD MEDAL	VPM	Varun Gopalbhai Patel
22	B.Sc.	DR. B N MANKAD GOLD PLATED MEDAL	VPM	Nimeshkumar Mukeshbhai Shah
23	B.Sc.	SMT. RAMABEN GHANSHYAMBHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL	VPM	Mehulkumar Nanjibhai Patel
24	B.Sc.	SHRI BABUBHAI JASHBHAI PATEL GOLD MEDAL	VPM	Gagan Govindprakash Bhatia
25	B.Sc.	SHRI KUBERBHAI VRAJBHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL	VPM	Gautam Dahyalal Limbani
26	B.Sc.	PRIN. ND DESAI GOLD MEDAL	VPM	Hemali Pravinchandra Shah
27	B.Sc.	DIPEE CHEMICALS PRIVATE LTD.(ANKLESHWAR) GOLD MEDAL	VPM	Rahul Ashokbhai Dholakiya
28	B.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL (INSTRUMENTATION)	NVP	Hitesh Pravinbhai Karangiya

SER. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
29	B.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL (BIO-TECHNOLOGY)	NVP	Dhara Yogendrabhai Patel
30	B.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL (ENVIRONMENTAL SCIENCE)	NVP	Saurubh Nandkishore Malviya
31	B.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL (INFORMATION SCIENCE)	NVP	Upendra Kiritkumar Dodia
32	B. Sc. (GENETICS)	DR. B. R. PATEL GOLD MEDAL	NVP	Krishma Patel
33	B.Sc. (BIO-INFORMATICS)	DR. B. R. PATEL GOLD MEDAL	NVP	Bhoomi P. Patel
34	B. Sc. (PHYSICS)	DR. H. K. PATEL CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL	VPM	Kuldipsinh Bharatsinh Solanki
35	M.Sc.	SHRI ASHABHAI BABERBHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL (All Braches)	DEPT. OF MATHS	Kalpesh Jayantilal Haria
36	M.Sc.	PRIN N.D. DESAI GOLD MEDAL (Mathematics & Statistics)	DEPT. OF MATHS	Kalpesh Jayantilal Haria
37	M.Sc.	PURSHOTTAM L. PATEL OF (SOJITRA) GOLD MEDAL (MATHEMATICS)	DEPT. OF MATHS	Kalpesh Jayantilal Haria
38	M.Sc.	DR. M.D. AVASARE GOLD PLATED MEDAL (Chemistry)	DEPT. OF CHEM.	Purveshkumar Jitendrabhai Shah
39	M.Sc.	DR. M.R. PATEL GOLD PLATED MEDAL (TRANSPEK LIMITED) (Chemistry)	DEPT. OF CHEM.	Purveshkumar Jitendrabhai Shah
40	M.Sc.	DR. RANCHHODBHAI MADHAVBHAI PATEL GOLD MEDAL (Botany)	DEPT. OF BIO SCI.	Neha Yogeshkumar Mittal
41	M.Sc.	PROF. RAOJIBHAI JIJIBHAI PATEL SHASHTHI PURTI SAMAROH GOLD MEDAL (By Rotation) (Bio-Science) Botany, Zoology, Bio-Chem.	DEPT. OF BIO SCI.	Neha Yogeshkumar Mittal
42	M.Sc.	PROF. S.M. SHAH GOLD MEDAL (Statistics)	DEPT. OF STAT.	Jhalak Mukeshbhai Patel
43	M.Sc.	O.C. SHAH USHA PAINTS GOLD MEDAL (Paints & Varnishes)	ISTAR	Rajni Mansukhbhai Dhanani
44	M.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL YASHODHARABEN AMBALAL PATEL GOLD MEDAL (Plastics Technology)	ISTAR	Jalpa Minesh Patel

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
45	M.Sc.	MAHARSHI DAYANAND SARASWATI GOLD MEDAL CHAROTAR PRADESH ARYA SAMAJ ANAND (Microbiology)	DEPT. OF BIO SCI.	Sushil Kirtibhai Momaya
46	M.Sc.	CHARUTAR VIDYA MANDAL DR. R P PATEL GOLD MEDAL (Industrial Chemistry)	ISTAR	Jayen Vinodray Barochia
47	M.Sc.	DR. AR PATEL 60 TH BIRTHDAY CELEBRATION GOLD MEDAL (Physics)	DEPT. OF PHYSICS	Hiralbahen Sureshbhai Shah
48	M.Sc.	DR. CHANDRAKANT CHUNIBHAI DESAI GOLD MEDAL (Physics) SOLID STATE PHYSICS	DEPT. OF PHYSICS	Hiralbahen Sureshbhai Shah
49	M.Sc.	P.PU. PRAMUKHSWAMI MAHARAJ GOLD MEDAL (Electronics)	DEPT. OF ELECTRONICS	Dhaval Ashwinbhai Parikh
50	M.Sc.	MAHARSHI DAYANAND SARASWATI GOLD MEDAL CHAROTAR PRADESH ARYA SAMAJ ANAND (Bio-Tech)	DEPT. OF BIO. SCI.	Varun Prakash Shah
51	M.Sc.	MATERIALS RESEARCH SOCIETY OF INDIA (GUJARAT CHAPTER) GOLD MEDAL (Mat. Sci.)	DEPT. OF MAT. SCI.	Rajeshkumar Brijmohan Pande
52	M.Sc.	SHUSHILABEN MANUBHAI PATEL GOLD MEDAL (Information Science)	ISTAR	Sapana Ambalal Patel
53	M.Sc.	DR. BP SWADS GOLD MEDAL CHARUTAR VIDYA MANDAL (Oil, Fats & Waxes)	ISTAR	Sunita Ramanand Chauhan
54	M.Sc.	PROF. LM ANJARIA GOLD MEDAL CHARUTAR VIDYAMANDAL (Instrumentation)	ISTAR	Viralkumar Shantilal Patel
55	M.Sc.	SMT. VIMLABEN GUNVANTBHAI PATEL & SHRI GUNVANTBHAI CHHOTABHAI PATEL GOLD MEDAL (Instrumentation)	ISTAR	Viralkumar Shantilal Patel
56	M.Sc.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Environmental Science)	ISTAR	Sohil Dilipkumar Khimani
57	B.C.A.	LATE SHRI TRIBHUVANDAS K PATEL THE FIRST MANAGING TRUSTEE OF SARDAR PATEL EDUCATION TRUST ANAND GOLD MEDAL	NVP	Hardik Rajul Trivedi

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
58	M.C.A.	SHRI PURUSHOTTAMDAS SHIVABHAI PATEL (NAR) GOLD MEDAL	DEPT. OF COMP. SCI.	Suryakalyan Parvateesam Rani
59	M.C.A.	LATE SHRI PRAFFULCHANDRA AMBALAL PATEL GOLD MEDAL	DEPT. OF COMP. SCI.	Suryakalyan Parvateesam Rani
60	M.C.A.	SHRI R SUBRAMANIAM GOLD MEDAL	DEPT. OF COMP. SCI.	Suryakalyan Parvateesam Rani
61	M.C.A.	SMT. HANSABEN RAMESHBHAI PATEL MAHUDHA (ANAND) GOLD MEDAL (MCA & MCA Lateral)	DEPT. OF COMP. SCI.	Suryakalyan Parvateesam Rani
62	B.E. (CIVIL)	PRIN. SB JUNNARKAR GOLD PLATED MEDAL	BVM	Sonalika Sharma
63	B.E. (CIVIL)	LATE SHRI MAHENDRABHAI GORDHANBHAI PATEL GOLD MEDAL	BVM	Sonalika Sharma
64	B.E. (CIVIL)	SHRI RJ THAKAR GOLD MEDAL	BVM	Sonalika Sharma
65	B.E. (CIVIL)	SMT SNEHLATA M THAKAR GOLD MEDAL (LADY TOPPER)	BVM	Sonalika Sharma
66	B.E. (CIVIL)	SHANKARBHAI AMBALAL PATEL MEMORIAL GOLD PLATED MEDAL	-	-
67	B.E. (CIVIL)	PROF. BM JANI BVM STUDENTS GOLD PLATED MEDAL	-	-
68	B.E. (MECH.)	PROF. N. BHATTACHARYA GOLD PLATED MEDAL	GCET	Ankit Rajesh Surit
69	B.E. (MECH.)	HMT LIMITED GOLD PLATED MEDAL	GCET	Ankit Rajesh Surit
70	B.E. (ALL BRANCHES)	LATE MAGANBHAI SHANKERBHAI PATEL (KARAMSAD) GOLD MEDAL	GCET	Ankit Rajesh Surit
71	B.E. (MECH.)	BANCO FOUNDATION GOLD PLATED MEDAL	BVM	Yazad Farokh Umrigar
72	B.E. (MECH.)	PROF. (DR.) NC PANDYA GOLD MEDAL	ADIT	Hemal Rajendrakumar Parmar
73	B.E. (ELECTRICAL)	DR. RAJA BALDEODAS BIRLA GOLD PLATED MEDAL	GCET	Parikshit Hareshkumar Jajal
74	B.E. (ELE.)	LATE JIGAR JITENDRA PATEL GOLD MEDAL	BVM	Subhash Jagdishchandra Patel
75	B.E. (COMP.)	SMT. SHANTABEN AMBALAL PATEL GOLD MEDAL	ADIT	Apurva Bharkat Kumar Shah
76	B.E. (INFO. TECH.)	SHRI BHAIKAKA (BHAILALBHAI DYABHAI PATEL) GOLD MEDAL	GCET	Pramodkumar Bhatotia

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
77	B.E. (CHEM.)	SHRI BHIKHABHAI KUBERBHAI PATEL GOLD MEDAL	GCET	Chhavi Manocha
78	B.E. (ELECT. & COMM.)	PROF. J G SHAH GOLD MEDAL	GCET	Amit Rajendra Shah
79	B.E. MECHA-TRONICS	LATE SHRI KANAKSINHJI AMARSIHJI VAGHELA GOLD MEDAL	GCET	Sundeep Ramesh Ajbani
<u>FOR YEAR 2005</u>				
80	MV (PLANT & MACHINERY)	SHRI PRAGJI DHARSHI BUDHBHATTI GOLD MEDAL	ISTAR	Vipul Gordhanbhai Rajpara
<u>FOR YEAR 2005</u>				
81	M.V. (REAL ESTATE)	SMT. VASANTIBEN CHUNILAL SHAH GOLD MEDAL	ISTAR	Vandana Agrawal
<u>FOR YEAR 2005</u>				
82	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Construction Engineering)	ISTAR	Jyoti Dhirendra Pandya
<u>FOR YEAR 2005</u>				
83	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL Computer Engineering	ISTAR	Sandeep Kanubhai Shah
<u>FOR YEAR 2006</u>				
84	M.V. (PLANT & MACHINERY)	SHRI PRAGJI DHARSHI BUDHBHATTI GOLD MEDAL	-	-
<u>FOR YEAR 2006</u>				
85	M.V. (REAL ESTATE)	SMT VASANTBEN CHUNILAL SHAH GOLD MEDAL	-	-
86	M.E. (ENVI. ENGG.)	CHARUTAR VIDYA MANDAL DR BP SWADAS GOLD MEDAL	-	-
87	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Construction Engineering)	-	-

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
88	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Structural Engineering)	-	-
89	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Mechanical Engineering) Machine Design	-	-
90	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL Electrical (Power System)	-	-
91	M.E.	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL Computer Engineering	-	-
92	MIH	CHARUTAR VIDYAMANDAL GOLD MEDAL (Industrial Hygiene & Safety)	ISTAR	Dharmistha Rameshchandra Dabhi
93	B.ARCH.	PARISAR TRUST ARCHITECTURE (GOLD MEDAL)	APID	Shivangi Jagdishchandra Patel
94 *	B.ARCH.	LATE AR SURYAKANT PATEL GOLD MEDAL	APID	Yashkumar Kiranbhai Patel
95	B.Com.	THE BANK OF INDIA PRIZE GOLD PLATED MEDAL (Adv. Banking)	BJVM	Nileshkumar Naranbhai Dangar
96	B.Com.	SHRI HASSAM PREMJI GOLD PLATED MEDAL (Over All)	SGM	Dhaval Girishkumar Trivedi
97	B.Com.	DAHIBEN VALLABHBHAI PATEL (MAHELAV) GOLD MEDAL (Advanced Accounting & Auditing)	BJVM	Swapna Kumaran C. Nair
98	M.Com.	MAFATLAL INDUSTRIES LIMITED GOLD MEDAL	DEPT. OF BUSINESS STUDIES	Hemaben Tekchand Thakkar
99	B.B.A.	ASHABHAI BABERBHAI PATEL (ANAND) GOLD PLATED MEDAL	CPP	Mukti Mohanbhai Patel
100	M.B.A.	GORDHANBHAI HATHIBHAI PATEL GOLD MEDAL (Marketing Management)	DEPT. OF MBA	Krupa Mahendrabhai Choksi

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
101	M.B.A.	SMT CHANDAN M PARIKH MEMORIAL TRUST (SANKHEDA) GOLD MEDAL (Financial Management)	DEPT. OF MBA	Shasikumar Wagle
102	M.E. (BUSI.)	CHARUTAR VIDYA MANDAL'S RAJNIKANT DR MULJIBHAI PATEL GOLD MEDAL	SEMCOM	Bhavna Rana Bhadka
103	LL.B. (GEN.)	THE ANAND MERCANTILE CO-OPERATIVE BANK LIMITED GOLD PLATED MEDAL	ALC	Rekhakumari Ramnandan Singh
104	LL.B. (SP.)	JUSTICE CHATURBHAI N. PATEL GOLD PLATED MEDAL	-	-
105	LL.M.	SHRI GORDHANBHAI SHANABHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL	-	-
106	B.Ed.	SHRI CHATURBHAI ICHCHHABHAI PATEL GOLD PLATED MEDAL	AEC	Madhvi Jayantilal Thakrar
107	B.Ed.	SHRIMATI ANSUYABEN NATVARLAL PANCHOLI GOLD MEDAL	ACE	Niteshkumar Sumanbhai Gamit
108	B.Ed. (ENG. MED.)	DR. CL PATEL ANUPAM GOLD MEDAL	WAY MADE	Rachna Misra
109	B.Ed. (ENG.)	SHRI BC PATEL GOLD PLATED MEDAL	HMP	Gayithri Govindan Kutty
110	B.Ed. (ENG.)	SHRI CHATURBHAI KALIDAS DESAI (NADIAD) GOLD PLATED MEDAL	HMP	Francisca Simon Catholic
111	B.P.Ed.	CHARUTAR VIDYA MANDAL PC VAIDYA GOLD MEDAL	SSP COLL. OF PHY. EDUCATION	Vijaykumar Ranjitsinh Tantod
112	M.Ed.	PROF. TKN MENON GOLD PLATED MEDAL	DEPT. OF EDUCATION	Ramchandra Bhanushankar Mehta
113	M.Ed.	PROF. JAYENDRABHAI KAKUBHAI DAVE GOLD MEDAL	DEPT. OF EDUCATION	Ramchandra Bhanushankar Mehta
114	M.Ed. (ENG.)	PARSHWANATH CONSTRUCTION PRAIVATE LTD. GOLD PLATED MEDAL	-	-

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
115	B.Sc. HOME (GEN.)	SHRIMATI MANIBEN CHATURBHAI DESAI (NADIAD) GOLD PLATED MEDAL	-	-
116	B.Sc. HOME (HD)	SURAJBA ISHWARBHAI PATEL (UTTARSANDA) GOLD PLATED MEDAL	SMPC	Janki Pratapdan Gadhavi
117	B.Sc. HOME (FRM)	V.C. DESAI CHARITY TRUST SMT. LILABEN DESAI GOLD PLATED MEDAL	SMPC	Bhoomikaben Himmatlal Panchal
118	B.Sc. HOME (F & N)	MRS. B. TARABAI GOLD MEDAL	SMPC	Shrutiben Sunilkumar Shah
119	B.Sc. (HOME-SCI.) (All Branches)	MANIBHAI & BROTHERS CHARITABLE TRUST GOLD MEDAL	SMPC	Arpita Kanhaiyalal Vishwakarma
120	B.Sc. HOME (C & T)	GANGABEN NATHABHAI PATEL GOLD MEDAL	SMPC	Arpita Kanhaiyalal Vishwakarma
121	M.Sc. (HOME SCI.) (F&N Branch)	PROF. S S SAIL GOLD MEDAL	DEPT. OF HOME SCI.	Shubhaprada Aswinkumar Nadkarni
122	B.Pharm.	SMT. CHAMPABEN RAMANBHAI PATEL GOLD MEDAL	ARCP	Dhwani Rajesh Kamrai
123	M.Pharm.	CHARUTAR VIDYA MANDAL GOLD MEDAL (Pharmaceutics)	ISTAR	Maitri Rameshbhai Trivedi
124	M.Pharm.	POPATLAL S PATEL (VIPOR CHEMICALS) (GOLD MEDAL)	ISTAR	Urvashi Chunilal Julasana

MARCH-2003

125	M.B.B.S. (PART-I) (Community Medicine)	LATE MANIBEN RAOJIBHAI PATEL GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
-----	--	---	------	---------------------

SR. NO.	NAME OF THE EXAM.	NAME OF THE GOLD MEDAL	COLL./ DEPT.	NAME OF THE STUDENTS AWARDED THE MEDAL
126	M.B.B.S. (PART-I) (Ophthalmology)	DR BHIKHUBHAI S PATEL GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
127	M.B.B.S. (PART-I) ENT	SWAMI SHRI KRISHNANANDJI (BHADRAN) GOLD PLATED MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh

APRIL-2004

128	M.B.B.S. (PART-I & II)	DESAI DADUBHAI APSAHEB (BAKROL) GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
129	M.B.B.S. (PART-I & II)	LATE SMT. LATABEN MADHUBHAI DESAI (NADIAD) GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
130	M.B.B.S.	BHAIKAKA GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
131	M.B.B.S. (PART-II) (Surgery)	SWAMI SHRI KRISHNANANDJI (BHADRAN) GOLD MEDAL	PSMC	Labani Mrinal Ghosh
132	M.B.B.S. (PART-II) (OBSTETRICS & GYNECOLOGY)	SWAMI SHRI KRISHNANANDJI (BHADRAN) GOLD MEDAL	PSMC	Kishor Jivrajbhai Viradiya
133	M.B.B.S. (PART-II) Medicine	DR. PIYUSH RAVJIBHAI PATEL GOLD MEDAL	PSMC	Devangi Dilipkumar Desai

AUGUST-2006

134	M.S. (GEN.) (Surgery)	LATE SHRI DHIRAJLAL SHIVSHANKER RAVAL GOLD MEDAL	PSMC	Dharmendra Kumar Vennam
-----	-----------------------	--	------	-------------------------

Education without character is of no value, we must be intent on producing citizens of free India, but not helpless ones loitering for jobs.

- Sardar Patel

Home Science Education - The Present Scenerio

Home Science education has passed through many stages of development like any other discipline. Its courses have changed as per the need of the Society, and global needs.

The concept of this education in its initial stage was to prepare young girls from elite class of society for quality life, so as to lead their family and society in general. Same concept was conceived by the society then and still it is prevailing. This is a misconception as the objective of Home Science education is to prepare students for various vocations at first degree level and inculcate professionalism at post graduate level.

People in general or layman may have an apprehension for its nomenclature "Home Science". We all may like only "Home" or only "Science". Amalgamation of both is not appreciated. The nomenclature can also be "Social Engineering" as mentioned by Kiran Bedi, when she visited our institute on our Silver Jubilee year. It can be "Family and Community Science", in USA it is known as Home Economics etc. All these various social, pure and applied science, their development, researches etc. leads ultimately to better life. It's difficult to achieve the goal of better life without a HOME. So ignore all the notions lets know about the present and future of Home Science education.

At present the courses which leads various career opportunities are, Food and Nutrition, Food- Biotechnology, Food Science and Quality Control, Diet Therapy, Textile Science, Textile Designing, Dyeing & Printing, Garment Designing and Manufacturing, Fashion Designing, Apparel Technology, Fashion Marketing, Ergonomics, Interior Design, Marketing Management, Family Dynamics, Family Welfare Programmes, Programmes of Physically Handicapped, Geriatrics, Communication Skills, Early Childhood Education etc. All these courses have been taken care under the Faculty of Home Science. Students equipped with above knowledge and skills can have career opportunities in cottage, small or large industries or can be a self employed as an entrepreneur or can work in any Government organization.

Home Science education programme, planning and execution is quite satisfactory. Faculty is also quite enthusiastic. Students drive or the force within individual will always help them to become an independent identity.

- Dr Bhanu Patel

S. M. Patel College of Home Science
bhanutels@rediff.com

Subscribe Today

Annual	Life
Students : Rs.10.00	Faculty & Staff : Rs.200.00
Others : Rs.15.00	Institutions & Individuals :
Institutions : Rs.100.00	Rs.500.00
Lifetime Subscription in Foreign Exchange:	
US \$ 100.00	€ 75.00 £ 75.00
Contact: Publication Division, Bhaikaka Library Vallabh Vidyanagar 388 120	

Contribute Today

Sheel Shrutam welcomes readers' contributions in the form of news, views, ideas and information for publication. **Please send your contributions before 1st week of every month to Param Pathak, Department of Gujarati, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar 388 120. Email: sheelshrutam@spu.ernet.in**

Registered with the Registrar of Newspaper for India.

Under No. G/AND-73 (B) Superscription PERIODICALS (S)

O. I. G. S. Book Post (Printed Matter)

If undelivered please return to :

The Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar - 388 120 Gujarat India

Sheel Shrutam : A Monthly Newsletter of Sardar Patel University, for Private Circulation.

Published by Registrar, Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar, 388 120

Computerised Type set / Designed and Printed at University Press, Vallabh Vidyanagar

Views expressed in this Newsletter do not necessarily reflect the official policy of the University.